

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस हुक्म  
की तामील में जारी हुए

9/3/20  
खालिफ आदेश की पालना की जाकर पत्रावली (कामों)  
दिनांक 16/12/19 को पेश हो।

16/3/20  
पत्रावली उपर  
खालिफ आदेश की पालना में पत्रावली  
दिनांक 14/12/20 को पेश हो।

3/4/20  
बहुलाप उपर  
खालिफ आदेश की पालना की जाकर पत्रावली  
दिनांक 17/3/20 को पेश हो।

11/3/20  
पत्रावली पेश हुई जाकर S.D.O. माहव दोरे पर, दिगमर कार्य में मग  
बकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक  
28/4/20 को पेश हो।

26/3/18/2020

4/20  
पत्रावली पेश हुई जाकर S.D.O. माहव दोरे पर, दिगमर कार्य में मग  
बकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक  
19/4/20 को पेश हो।

29/6/20  
पत्रावली पेश हुई जाकर S.D.O. माहव दोरे पर, दिगमर कार्य में मग  
बकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक  
19-8-20 को पेश हो।

18/8/20  
पत्रावली पेश हुई।  
पत्रावली का एपान्यूमेक मबलोकुत किचु उचु।  
पत्रावली कापालत हाचु के कलिठ निवठ दिनांक  
26/2/23 के मानकीत राजमर अपील लाधिकारी भवत।  
पाली में अपील होठे के कापालत हाचु के निवठ  
के मपालत कर मूल पत्रावली इस निदेश के  
प्रेमि की कि, पत्रावली के पुनर्पत्र का कलिठ  
अवगत किचु जाफुत जमरु रवानात पेश करके व

समस्त स्वामित्व कठुनाए पुनर्वाही कर निर्णय  
 पारित करे) आन्वेषिक व्यापारालय श्री कठुपालनाथ के  
 पञ्चावली दर्ज कर उभय पक्ष आगत अधिवक्ताओं  
 के सुनिश्चित करके उक्त कठुनाए के लिये एकत्रित  
 उक्त) उभय पक्ष अधिवक्ताओं के पारित किया  
 कि पञ्चावली हमारे दस्तावेज में नहीं है। इस पर  
 व्यापारालय उक्त द्वारा बर्फीगण के पारित निर्णय  
 तलब किया गये। निर्णय के प्रतिक सं. 1, 2, 5, 12, 9,  
 14, 16 के 22 के निर्णय पर कानून होने श्री बर्फीगण  
 ही सं. 5 प्रविबर्फीगण के निर्णय शामिल। उक्त  
 के शर्त रहे हैं। बाद नया आवाजें पिलारी गई।  
 बावजूद निर्णय प्रकृत। निर्णय के अंतर्गत रहे हैं।  
 उक्त के बर्फीगण कानून है। उक्त के अंतर्गत भी कानून  
 निर्णय गारिगण अतः पक्ष रखने के लिये  
 उपस्थित नहीं आये हैं। कानून वाक अतः हमारी  
 अतः पारती है स्वामित्व किया जाऊ है। पञ्चावली  
 कौनसे सुनाए होकर नखट के कर है। नक  
 रकमील जाकर दारिगल दखल लेख/अकाए  
 जात है।

